एक नजर में

लूनाहेड़ा के छात्रों का पुलिस में हुआ चयन ग्रामवासियों ने दी बधाई देकर जताई खुशियां

मन्दसौर। लूनाहेडा के प्रतियोगी छात्रों का ईएसबी द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में म.प्र.पुलिस आरक्षक परीक्षा में गांव के अंकित धनगर पिता अंबालाल धनगर, नीतु पिता श्यामलाल धनगर, कुसुम भाणेज प्रभुलाल धनगर, विक्रम पिता कन्हैयालाल मालवीय ने सफलता की है। छात्रों की सफलता पर गांव के वरिष्ठ श्री महेश पाटीदार, श्री कमलेश कुमावत, श्री सिकंदर जैन, श्री बगदीराम धनगर, श्री प्रभुलाल धनगर, श्री श्याम सेन, श्री विष्णु प्रसाद शर्मा, श्री उदयराम धनगर, श्री गणपत पाटीदार, श्री मांगीलाल पाटीदार, श्री कन्हैयालाल धनगर, श्री संतोष चंगेरिया, श्री बाबुलालजी धनगर, श्री महेश पाटीदार, श्री भुवानी शंकर पाटीदार, श्री राजेश पाटीदार, श्री पवन पाटीदार, श्री राजमल धनगर, श्री नागेश पंछी, श्री हरिकृष्ण पाटीदार, श्री सुभाष चंगेरिया, श्री मनीष चंगेरिया, श्री पवन पाटीदार, श्री कृष्णपालसिंह , श्री गोविन्द पाटीदार, श्री दिलीप कुमावत, श्री विशाल पाटीदार, श्री मुकेश मालवीय, श्री निलेश सेन, श्री गौरव पाटीदार, श्री उमेश पाटीदार, श्री भेरूलाल धनगर श्री रवि जैन , श्री दिपक धनगर आदि युवा समाज सेवीयो द्वारा आतिशबाजी कर पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया अंत में आभार राजेश धनगर(फारेस्ट) प्रतियोगी परीक्षाओं के मार्गदर्शक ने व्यक्त किया व उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बार-बार नाली निर्माण के नाम पर जनता को परेशान और पैसों की यूं बर्बादी न करें

मन्दसौर। नगर पालिका प्रशासन बिना किसी ठोस, स्थाई व दीर्घकालिक योजना बनाए बिना कार्य कर रहा है जिससे केवल और केवल जनता को पीड़ा पहुंचाने के साथ ही जनता के पैसों की बर्बादी की जा रही है ।पहले ऊवीऊ आकार की नालियां बनी ।अब ऊयूऊ आकार की नालियां बनाई जा रही है जबकि नगर पालिका द्वारा ही भूमिगत नालियां बनाने की 200 करोड़ की योजना बन चुकी है तो फिर यह बार बार अलग - अलग प्रकार की नालियां बनाकर जनता को परेशान करने के साथ ही जनता के पैसों की बर्बादी आखिर क्यों की जा रही है ।नाली निर्माण के कारण प्रत्येक घर की सीढ़ियां तोड़ी जा रही है व साथ ही असावधानी से नाली खुदाई के कारण नल के पाइप तोड़े जा रहे हैं जिससे जनता को आर्थिक व मानसिक दोहरी मार पड़ रही है ।नगर पालिका का अर्थ ही होता है जनता व नगर की पालक व पालनहार किंतु यहां तो एकदम उल्टा ही हो रहा है ।दोषपूर्ण योजनाएं बनाकर जनता को परेशान किया जा रहा है । अनुराग संस्था ने सांसद द्वय महोदय, विधायक महोदय, नगरपालिका अध्यक्ष महोदया को पत्र लिखकर मांग की है कि तत्संबंध में शीघ्र संज्ञान लें ताकि जनता को राहत के स्थान पर कष्ट ना भोगना पड़े।

उधारी के पैसे मांगने पर युवक से मारपीट तीन आरोपियों पर मामला दर्ज

पिपलिया मंडी। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढा चौकी में उधारी के पैसे मांगने पर एक युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फरियादी कमलेश मालवीय, निवासी बुढा, ने शिकायत दर्ज कराई कि उसने करीब चार माह पूर्व जरूरत पड़ने पर सुनिल मालवीय को 1 लाख 50 हजार रुपये उधार दिए थे। जब उसने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी सुनिल अपने भाई दीपक मालवीय और पिता राजु मालवीय के साथ मिलकर उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। फरियादी द्वारा विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। इसी दौरान आरोपी सुनिल ने पास में पड़े सरिये से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसे चोट आई। घटना को लखन सिंह निवासी रणायरा ने देखा और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। जाते समय आरोपियों ने फरियादी को दोबारा पैसे मांगने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। घटना के बाद फरियादी ने चौकी बुढा में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसे थाना नारायणगढ़ में अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की संबंधित धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया गया है।

27 अप्रैल को 'गौ सम्मान दिवस' मनाने का निर्णय

▸ **मंदसौर में गौ सम्मान आह्वान अभियान को लेकर बैठक**

मंदसौर। नरसिंहपुरा क्षेत्र स्थित दिवाक माता मंदिर परिसर में गौ सम्मान आह्वान अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक संतों के सानिध्य में संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में गोभक्तों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भाग लिया।

बैठक में पूज्य गौ शरणानंद महाराज, स्वामी चैतन्य दास महाराज(अयोध्या धाम)पंडित दशरथ भाई जी शर्मा, पंडित विष्णु शर्मा, पंडित ओमप्रकाश दवे, पंडित दिलीप व्यास, पंडित शैलेंद्र उपाध्याय, पंडित सुनील पुरोहित, पंडित प्रहलाद शुक्ला, पंडित श्याम (आशापुरा धाम मंदिर, नई फतेहगढ़), ज्योतिषाचार्य विनोद रुनवाल सहित अनेक संतों और विद्वानों की उपस्थिति रही।

संचालन विनय दुबेला ने किया, जिन्होंने अभियान के उद्देश्यों और आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

कई जगह किए जाएंगे कार्यक्रम...

बैठक में निर्णय लिया गया कि 27 अप्रैल 2026 को देशभर में तहसील स्तर पर गौ सम्मान दिवस मनाया जाएगा। इस दिन विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर प्रशासन को प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। मंदसौर में प्रात: 9-30 बजे विश्वपति शिवालय से कीर्तन यात्रा प्रारंभ होकर पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी, जहां ज्ञापन दिया जाएगा।

प्रमुख मुद्दों पर हुई चर्चा-बैठक में गौ सेवा, गौ सुरक्षा और गौ सम्मान को लेकर विस्तृत मंथन किया गया। वक्ताओं ने गौ माता को राष्ट्र स्तर पर सम्मान देने, देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौ सेवा के लिए केंद्रीय कानून बनाने तथा केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय के गठन की मांग रखी। इसके साथ ही गोचर भूमि संरक्षण, चारा नीति और गौ आधारित कृषि को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

गांव-गांव तक पहुंचेगा अभियान-अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए इसे गांव-गांव और वार्ड स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया गया। जनजागरण कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर जोर दिया गया।

सामूहिक संकल्प-कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने गौ सेवा और गौ सम्मान के लिए सामूहिक संकल्प लिया तथा अभियान को सफल बनाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर प्रखर दुबे, पूनमचंद, राजेश चौहान, गोविंद राठी (दलौदा), जयप्रकाश सोनी, प्रदीप शर्मा, प्रदीप सोनी, प्रदीप कुमार गुप्ता, जसवंत सिंह, भेरूलाल सेन, श्याम सोनी, विजेंद्र सिंह चुंडावत, निरंजन भारद्वाज, कमलेश नागदा, वर्दीचंद कुमावत, सत्यनारायण कुमावत, तुलसीराम ग्वाला, शंकरलाल सोनी, दीपक ग्वाला, पिंटू ग्वाला, उदय भानपुरा, ललित भारद्वाज, नरेंद्र सिंह चौहान, रसिक बिहारी चौहान, सुरेंद्र कुमार रामावत, कैलाशचंद्र सांखला, घनश्याम सोनी, रमाकांत सोनी, श्रीमती प्रेमलता आचार्य, श्रीमती पार्वती व्यास, सुश्री प्रियांशी गहलोत, मालती गहलोत, दिलीप कुमार जैन, दिनेश शुक्ला, जगदीश माथुरालाल, सुधीर सिंह, हेमंत सुरा, नितिन सोनी, गोपाल सिंह राजावत, हेमंत सोलंकी, विजय गहलोत, खेमचंद ग्वाला, ओम सोनी, पुष्पा माली, विजयलक्ष्मी सांखला, सारिका कुशवाह, कपिल गौड़, हिमांशु ज्ञानानी, अशोक कुमार पालीवाल, करण सिंह परिहार, बाबूलाल ग्वाला, सुनील कुमार पोरवाल, ओमप्रकाश, सुरेश भावसार, ओम बड़ोदिया एवं रवि ग्वाला, घनश्याम सिंह तोमर सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में राजेश चौहान ने आभार व्यक्त किया। बैठक की जानकारी नेमीचंद राठौर द्वारा दी गई।

रास्ता विवादों के समाधान के लिए राहगीर अभियान शुरू, रिकॉर्ड में भी होगा दर्ज

गरोठ। किसानों की वर्षों पुरानी रास्ता संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए गरोठ उपखंड में 'राहगीर अभियान' की शुरुआत की गई है। यह अभियान जिला कलेक्टर अदिति गर्ग के मार्गदर्शन और एसडीएम राहुल चौहान के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत गरोठ, भानपुरा एवं शामगढ़ तहसील क्षेत्रों में खेतों और गांवों के रास्तों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाकर आवागमन सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राजस्व टीमें गांव-गांव पहुंचकर शासकीय रास्तों, काकड़ एवं मुख्य मार्गों का निरीक्षण कर अतिक्रमण चिन्हित कर रही हैं।

एसडीएम चौहान ने बताया कि कई शासकीय रास्ते राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होने के बावजूद अतिक्रमण की चपेट में हैं, जिससे किसानों को खेतों तक पहुंचने में परेशानी होती है। वहीं, कुछ मार्ग वर्षों से उपयोग में होने के बावजूद अभिलेखों में दर्ज नहीं हैं। अभियान के माध्यम से इन दोनों समस्याओं का समाधान किया जाएगा। पहले चरण में संबंधित लोगों को समझाइश देकर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर दोनों पक्षों के बीच बैठक कर आपसी सहमति से विवाद निपटाए जाएंगे। साथ ही नए रास्तों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

दूरदराज के लोगों को मिलेगी डायलिसिस सुविधा

मंदसौर। मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉक्टर अवधेश प्रताप सिंह ने दलोदा में भगवान महावीर स्वास्थ्य केंद्र में रोटरी क्लब द्वारा अस्पताल स्थापित डायलिसिस मशीनों का समाज सेवियों के साथ अवलोकन कर वहां चिकित्सा करा रहे मरीज़ों से चर्चा की।साथ ही डायलिसिस की 7 अतिरिक्त मशीनों को लगाने के लिए निर्मित नवीन कक्षों का शुभारंभ किया।

इसके पूर्व समाजसेवी रोटरी क्लब के अध्यक्ष व पदाधिकारियों द्वारा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ अवधेश प्रताप का माला, गमछों एवं स्मृति चिन्ह से आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉक्टर सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब के सदस्य मानवता की सेवा का सराहनीय कार्य कर रहे हैं ।इस डायलिसिस केंद्र से दूर-दुराज के लोगों को फायदा मिलेगा ।अस्पताल में आयुष्मान के माध्यम से डायलिसिस का लाभ मिलेगा । साथ ही उन्होंने डायलिसिस के मरीजों से चर्चा की एवं उनसे जानकारी प्राप्त की ।साथ ही 7 नई मशीन स्थापित कक्षा का अवलोकन किया एवं संचालक से भी चर्चा की । इस दौरान बड़ी संख्या में मंदसौर रोटरी क्लब के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य एवं ग्रामीण एसडीएम सहित नागरिक मौजूद थे।

एक नजर ▸ **सवर्ण समाज के छात्रों को होगी भारी परेशानी, लगाया आरोप**

यूजीसी के विरोध में राजपूत सिंह सभा ने सौंपा ज्ञापन

मंदसौर। राजपूत सिंह सभा के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह परिहार ने बताया कि विगत दिनों भारत सरकार द्वारा यूजीसी का काला कानून लाया गया है, जिसमें सवर्ण समाज के छात्रों के लिए दमनकारी नीतियां और नियम बनाए गए हैं। इस कानून में प्रावधान किया गया है कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान में सवर्ण छात्र के विरुद्ध झूठी या बेबुनियाद शिकायत होने पर, छात्र को यह जानने का भी हक नहीं होगा कि उसके विरुद्ध शिकायत किसने की है। इस प्रावधान से सवर्ण समाज के बच्चों का भविष्य अंधकार में है।

इस कानून के विरोध में पूरे भारत में विभिन्न संगठनों द्वारा इसे वापस लेने के लिए लगातार धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में, राजपूत सिंह सभा जिला मंदसौर के साथ ब्राह्मण समाज, माहेश्वरी समाज, दशपुर जागृति संगठन, जिला राजपूत समाज संगठन एवं अन्य सवर्ण समाज संगठनों के पदाधिकारियों ने मंदसौर कोर्ट परिसर से जुलूस निकाला।

नारेबाजी करते हुए और 'यूजीसी काला कानून वापस लो', 'भारत माता की जय' तथा 'अभी तो यह अंग?ाई है, आगे और ल?ाई है' के नारों के साथ प्रदर्शनकारी एसडीएम कार्यालय पहुंचे। वहां माननीय प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर मंदसौर के प्रतिनिधि तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन राजपूत सिंह सभा के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह परिहार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर राजपूत सिंह सभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता विजेंद्र सिंह चौहान, राघवेंद्र सिंह तोमर (एडवोकेट), जोगेंद्र सिंह तोमर (एडवोकेट), राजेश सिंह भदोरिया (एडवोकेट), शेर सिंह पवार (एडवोकेट), शिव शंकर सिंह तोमर, हरि शंकर शर्मा (संयोजक, सनाढ्य ब्राह्मण समाज), बालू सिंह सिसोदिया (उपाध्यक्ष, दशपुर जागृति संगठन), भूपेंद्र सिंह भाटी (सचिव, जिला राजपूत समाज संगठन) और पुष्पा राठौ? (महिला सदस्य, राजपूत सिंह सभा), बाबूलाल डागा (उपाध्यक्ष, माहेश्वरी समाज), अभिषेक, सौरभ कुमार सिंह, गजराज सिंह चौहान और लोकेंद्र सिंह चौहान सहित राजपूत सिंह सभा व सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

नीमच

एक नजर में

विधायक सकलेचा की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू

नीमच। मध्य प्रदेश शासन की नीति के अनुरूप रवि विपणन वर्ष 2026-27 में नीमच जिले में कुल 38 किसान पंजीयन केंद्र (उपार्जन केंद्र) पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी आज से प्रारंभ हुई। इसी कड़ी में 9 अप्रैल शुक्रवार को मोरवन के उपार्जन केंद्र पर क्षेत्र के विधायक ओमप्रकाश सकलेचा की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर विधिवत प्रारंभ की गई। सबसे पहले आने वाले किसानों का साल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया । शासन द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है, राज्य शासन द्वारा किसानों को 40 प्रति क्विंटल का बोनस भी दिया जाएगा। मोरवन के उपार्जन केंद्र पर आज दोपहर क्षेत्र के विधायक द्वारा गांव के पुरोहित विक्रम जी शर्मा ने विधिवत पूजन अर्चन कर केन्द्र का शुभारंभ कराया। सबसे पहले आने वाले किसानों का तिलक साल माला पहनाकर मिठाई खिलाकर प्रारंभ किया। साथ ही विधायक द्वारा केन्द्र का निरीक्षक किया गया वह किसानों को बेहतर सुविधा देने के लिए अधिकारी कर्मचारी को दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण, मंडल अध्यक्ष अर्जुन माली, शिवम पुरोहित रामनारायण राठौर राकेश जाट राजेंद्र सिंह राठौड़ कैलाश सोनी सहित क्षेत्र के सम्माननीय नागरिक व किसान बंधु उपस्थित थे।

ये कैसी प्लानिंग...ओवरब्रिज निर्माण में ड्राईंग डिजाईन ही रोड़ा

- ▸ रेलवे और सेतु निगम के बीच नहीं बैठ रहा तालमेल..!
- ▸ हिंगोरिया ओवरब्रिज 45 की जगह 65 फीट लंबाई करने पर खींचतान
- ▸ 20 प्रतिशत शेष काम रुकने से आ रही परेशानी

नीमच। महू रोड और हिंगोरिया रेलवे स्टेशन के समीप बन रहे ओवर ब्रिज निर्माण की प्लांनिंग को लेकर सेतु निगम और रेलवे विभाग के बीच 1 साल से तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। ड्राइंग डिजाइन के अभाव में रेलवे फाटक के पास ओवरब्रिज पिल्लर निर्माण लंबे समय से रुका पड़ा है।

रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण की प्लानिंग को लेकर सेतु निगम व रेलवे में खिंचतान का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है जिसके चलते पिछले 1साल रेलवे फाटक के समीप कालम 11 व 12 का निर्माण कार्य बंद है। बताया जा रहा है कि इस ओवर ब्रिज के यहां की डिजाइन रेलवे विभाग देनी है। हिंगोरिया ब्रिज की लंबाई को लेकर सेतु विभाग और रेलवे विभाग में काफी लंबे समय से खिंचातान चल रही है। रेलवे विभाग 45 की जगह 65 फीट लंबाई करने पर अड़ा है।

गौरतलब है दिसम्बर 2024 को हिंगोरिया फाटक पर ओवरब्रिज का कार्य शुरु किया गया था प्रोजक्ट के मुताबिक इसमें हिंगोरिया में 900 मीटर 33 करोड़ की लागत से ओवर ब्रिज बनाया जाना है। ओवर ब्रिज का 80 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। लेकिन 20 फीसदी कार्य चीताखेड़ा से रेलवे फाटक तक के बीच की ड्राईंग डिजाइन रेलवे विभाग द्वारा नहीं दिए जाने के कारण ओवर ब्रिज का कार्य गति नहीं पकड़ पा रहा है। वहीं इस मामले में रेलवे विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का कहना उन्हें डिजाइन मुख्यालय को भेज दी है। गौरतलब है पहले जनरल असेसमेंट ड्राइंग में रेलवे क्षेत्र में फाटक के सेंटर से करीब 45 फीट लंबाई तय थी। रेलवे 45 फीट की जगह 65 फीट लंबाई चाहता है। तर्क है कि नीमच मंदसौर-रतलाम रेलखंड पर भविष्य में तीसरी और चौथी लाइन बिछाई जा सकती है इसलिए पर्याप्त स्पेस जरूरी है।

वाहन चालकों का ओवर ब्रिज के समीप से निकलना खतरनाक-निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के समीप से वाहन चालकों को निकलना काफी खतरनाक है। सुबह से लेकर रात तक वाहनों की भारी आवाजाही के बीच निर्माण कार्य का चलना दुर्घटना का सबब बन सकता है। वाहन चालकों को इस मार्ग से निकलते समय हर पल डर सताता है कि कहीं ओवर ब्रिज पर चल रहे निर्माण कार्य की सामग्री या अन्य उपकरण से कोई हादसा या दुर्घटना न हो जाए।

प्रोजक्ट की लेटलतिफी आमजन को पड़ रही भारी-ब्रिज निर्माण के प्रोजक्ट के कार्य में आ रही रुकावट का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। हिंगोरिया रेलवे फाटक से चीताखेड़ा आने जाने वाले वाहन चालको को के लिए परेशानी पैदा तो कर रहा है साथ ही नीमच से मंदसौर की जाने वाले वाहन चालक भी तरह तरह की मुसबीतें झेलने को मजबूर है। फाटक से नीमच की तरफ सड़क बनाई वहां धूल के उड़ते गुबार से वाहन चालकों का आवागमन करना काफी दुश्वारियों भरा साबित हो रहा है। हिंगोरिया रेलवे फाटक पर बन रहा रेलवे ओवरब्रिज सरकारी सिस्टम में उलझकर रह गया है। लगभग 80 फीसदी निर्माण पूरा होने के बाद काम की रफ्तार धीमी पड़ गई है। कारण रेलवे और सेतु विकास निगम के बीच ब्रिज के फाटक वाले हिस्से की लंबाई को लेकर मतभेद है।

जिम्मेदारों का कहना...

हिंगोरिया रेलवे फाटक ओवरब्रिज को लेकर रेलवे की तरफ से देरी हो रही है। अब रेलवे विभाग के अधिकारी एक सप्ताह के अंदर लोकेशन सर्वे की बात कह रहे है।

-प्रवीण नरवले, एसडीओ, सेतु विकास निगम मंदसौर-नीमच

रेलवे विभाग द्वारा करीब 1 साल से हिंगोरिया रेलवे फाटक के पास बन रहे ओवर ब्रिज की ड्राईंग डिजाइन नहीं देने के कारण काम रुका है। हमने 80 फीसदी कार्य पूर्ण कर लिया है लेकिन 20 फीसदी कार्य ड्राईंग डिजाइन के कारण अटका है। पूर्व में इस संबंध में सेतू निगम ने रेलवे को पत्र भी लिखा था।

- एसके तोतला,तोतला इन्प्रसा.कं. प्रालि. नीमच

ड्राइंग डिजाइन शासन को भेजी जा चुकी है। रेलवे की तरफ से देरी नहीं हो रही।

- मुकेश कुमार, जनसंपर्क अधिकारी,रेलवे मंडल रतलाम

जाजू कन्या महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस

नीमच। श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कार्यबल (एंटीएफ) के अंतर्गत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र व्यक्तित्व विकास को केंद्र में रखते हुए अप्रैल 2026 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं में स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना रहा।

अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में हेल्दी हैबिट्स चैलेंज विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि हरित ने छात्राओं को संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी।

महाविद्यालय में करीब 900 छात्राओं के आभा कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। द्वितीय सप्ताह में अनुभव साझा करें कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें छात्राओं ने हेल्दी हैबिट्स चैलेंज से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और सकारात्मक बदलावों की बात कही।

साथ ही मनोवैज्ञानिक परामर्श शिविर में व्याख्याता सिमरन बी ने टीम एक्टिविटी के माध्यम से तनाव प्रबंधन और आत्मविश्वास बढ़ाने के तरीके बताए। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिभा कालानी ने कहा कि स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मन भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम संयोजक एवं एंटीएफ प्रभारी डॉ. हिना हरित ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यबल का उद्देश्य केवल जागरूकता तक सीमित नहीं, बल्कि छात्राओं के जीवन में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाना है।

एक नजर ▸ **अस्पतालों की ओपीडी में लगातार बढ़ रहे सांस के रोगी...!**

फसलों की थ्रेसिंग की उड़ती धूल से फेफड़ों पर मंडराता खतरा

नीमच। श्वसन रोग विभाग की ओपीडी बढ़ी ग्रामीण अंचल के मरीज ज्यादा अस्पताल में रोजाना नए मरीज आ रहे है ।जिले में रबी फसलों की कटाई और थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाली धूल और भूसे के महीन कणों से सांस के रोगियों की मुसीबत बढ़ गई है। जिले में रबी फसलों की कटाई और थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाली धूल और भूसे के महीन कणों से सांस के रोगियों की मुसीबत बढ़ गई है।

अस्पतालों की ओपीडी में सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। सरकारी और निजी अस्पतालों के श्वसन रोग मरीज बढ़ गए हैं ।वहीं तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण भी फेफड़ों के संक्रमण के मामले बढ़े हैं।

फसलों की थ्रेसिंग के दौरान हवा चलने के कारण काफी दूर तक वातावरण में धूल के कण तैरते रहते हैं। हवा में उड़े कण सांस के जरिए सीधे फेफड़ों में चले जाते हैं, जिससे फेफड़ों में सूजन आ रही है। धूल व परागकणों के कारण दमा और पहले से सांस की समस्या झेल रहे लोगों की स्थिति और बिगड़ जाती है। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और आसपास रहने वाले लोग इस समस्या से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जिन्हें धूल और परागकणों के कारण सांस लेने में कठिनाई हो रही है। चिकित्सकों के अनुसार धूलभरे वातावरण में कम जाएं और सांस लेने में परेशानी होने पर फौरन पास के अस्पताल के चिकित्सक से उपचार लें।

यह है लक्षण-चिकित्सकों के अनुसार अस्थमा श्वास तंत्र की बीमारी है, जिसके कारण सांस लेना मुश्किल हो जाता है। श्वास मार्ग में सूजन आ जाने के कारण यह समस्या बढ़ जाती है। मरीजों को छोटी-छोटी सांस लेनी पड़ती है, छाती मे कसाव जैसा महसूस होता है, सांस फूलने लगती है और बार-बार खांसी आती है। वहीं थ्रेसिंग के कारण आंखों व एलर्जी के मरीजों की संख्या में बढ़ रही है। थ्रेसिंग के समय सांस के रोगियों को नाक और हाथों को कपड़े से ढककर काम करना चाहिए।

एक्सपर्ट व्यू- सांस के मरीज बढ़े-जिले में इस समय रबी की फसलों की कटाई चल रही है। कटाई और थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाले धूलकण काफी दूर तक चले जाते हैं। जिससे सांस संबंधी रोगों के पुराने व नए मरीजों में अस्थमा अटैक आने के मामले बढ़े हैं। कई बार मरीज को भर्ती करना पड़ता है।

एलर्जिक राइनाइटिस के प्रमुख लक्षण :
- बार-बार छींक आना।
- नाक बहना या नाक बंद होना।
- नाक में खुजली होना।
- आंखों में खुजली, जलन या पानी आना।
- गले में खुजली या खराश।

बचाव के उपाय :
- धूल और धुएं से बचें।
- बाहर जाते समय मास्क का प्रयोग करें।
- घर को साफ और हवादार रखें।
- ठंडी चीजों और एलर्जी बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- डॉक्टर की सलाह से एंटी-एलर्जिक दवाएं लें।